CBSE Aff. No.: 630242

SHIV SHAKTI CONVENT SCHOOL

Vill. Kasaroo, Distt. Bilaspur (H.P.)

Roll No. 102 Class 10th Subject Hindi Dated 12/12/2020 Marks ....

खण्ड -(ख)

प्र07

(क) कबीर का कहना है कि हम अपने स्वभाव को निर्मल और सरल बनाए रखना चाहते हैं तो हमें अपने आसपास निंदक रखने चाहिए ताकि वे हमारी त्रुटियों को बता सकें। निंदक हमारे सबसे अच्छे हितैषी होते हैं। उनके द्वारा बताए गए त्रुटियों को दूर करके हम अपने स्वभाव को निर्मल बना सकते हैं।

(ख) बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ केवल किताबी ज्ञान से नहीं आती बल्कि अनुभव से आती है। इसके लिए उन्होंने अम्माँ, दादा व हेडमास्टर की माँ के उदाहरण भी दिए हैं कि वे पढ़े लिखे न होने पर भी हर समस्याओं का समाधान आसानी से कर लेते हैं।

(ग) वज़ीर अली रॉबिनहुड की तरह साहसी, हिम्मतवाला, बहादुर और चकमा देने में माहिर था। वह भी रॉबिनहुड की तरह किसी को भी चकमा देकर भाग जाता था। वह अंग्रेजी सरकार की पकड़ में नहीं आ रहा था। कम्पनी के वकील को उसने घर में जाकर मार दिया।

प्र०८ मनुष्यता कविता और अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ का केंद्रीय भाव यह है कि दोनों ही कविता और कहानी में बताया गया है हम अपनी इंसानियत को भूलते जा रहे हैं। हमें इंसानियत को न भूलकर, इंसानियत के काम करने चाहिए। हमें दूसरों की सहायता हमेशा करनी चाहिए। 'मनुष्यता' कविता से कवि यह संदेश देना चाहता है कि प्रत्येक मनुष्य को मानवीय गुणों का पालन करते हुए परहित में जीवनयापन करना चाहिए। उन्नति की राह में एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। वह चाहता है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने व अपनों के हितों से पहले दूसरों के हितों की चिंता करें। दोनों कविता तथा कहानी का केंद्रीय भाव केवल यही है कि हमें सबको समान दृष्टि से देखना चाहिए और यदि वे संकट में हो तो उनकी सहायता करनी चाहिए, परोपकार करना चाहिए।

प्र०९(ख) राम दुलारी की मार का टोपी शुक्ला पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। उसकी पिटाई होने का कारण ये था कि उसने अपनी माँ को अम्मी कह कर पुकार लिया था। रामदुलारी को यह बात अच्छी नहीं लगी, इसलिए टोपी शुक्ला की पिटाई हुई। रामदुलारी के व्यवहार में भाईचारे के सामाजिक मूल्यों की अवहेलना की गई थी, क्योंकि टोपी शुक्ला ने उसे अम्मी शब्द का प्रयोग करके बुलाया।

(क) सपनों के से दिन पाठ के लेखक और टोपी शुक्ला जी का पात्र

एक जैसा था। उन दोनों के परिवार वाले उन्हें प्रेम नहीं देते थे। उन्हें उनके परिवार के साथ रहने में खुशी नहीं मिलती थी। वह उनसे काम भी करवाते थे तथा फिर उन्हें उनकी गलती के लिए भी सजा दी जाती है। हमारा जीवन इन दो पुत्रों से थोड़ा-सा मिलता जुलता है। जब हम कोई गलती करते हैं तो हमें भी गलती की सजा दी जाती है तथा प्रेम भी मिलता है। हर एक व्यक्ति के जीवन में एक ऐसा व्यक्ति होता है जिसके साथ वह अपनी हर बात हर दुःख-सुख बाँट सके।

(ग) महंत और हरिहर काका के भाई के काम/कार्य एक जैसे लगते हैं अर्थात महंत भी हरिहर काका की जमीन को अपने नाम करवाने के लिए युक्तियाँ बना रहा था तो दूसरी तरफ काका के भाई भी जमीन को अपने नाम करने की योजना बना रहे थे। काका के भाई ने डरा-धमकाकर भी जमीन अपने नाम करवानी चाही परंतु इन धमकियों का हरिहर काका पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। वे मृत्यु का वरण करने के लिए तैयार थे। उन्हें लगता है कि मृत्यु तो एक दिन होनी है।

~~310~~

मित्रता

परिचय -> व्यक्ति अपना सुख दुख तथा हर तरह की बात जिससे बांट सके वह व्यक्ति मित्र कहलाता है। मित्रता जीवन के किसी भी पड़ाव में आकर किसी से भी हो सकती है। एक पिता अपनी पुत्री का मित्र हो सकता है, उसी प्रकार मां-बेटे में मित्रता हो सकती है, पति - पत्नी में मित्रता हो सकती है।

जीवन में मित्र की आवश्यकता => हर व्यक्ति के जीवन में कोई न कोई मित्र अवश्य होता है। मित्र वह होता है जो हमारे सुख और दुःख दोनों में हमारे साथ खड़ा रहे। वह हमें सही राह दिखाए। मदद पड़ने पर हम-उसकी और वो - हमारी मदद कर सके। यदि हम गलत राह में जा रहे हो तो हमें सही राह दिखाए।

कौन हो सकता है मित्र => जीवन में व्यक्ति जिन आदतों को वहन करता है वह मित्रता की ही देन होती है। व्यक्ति के घर से निकलने पर उसकी पहली आवश्यकता मित्र होते हैं। व्यक्ति मित्र बनाने की होड़ में लग जाता है क्योंकि मनुष्य सामाजिक प्राणी है तथा वह अकेला नहीं रह सकता। एक सच्चा मित्र वही होता है जो हमारे सुख में साथ रहे तथा दुःख में हमारी ढाल बनकर साथ चले। यदि हम बुरी आदतों को आश्रय दे तो हमें समझाकर सही राह पर चलाए। हर वक्त हमारी रक्षा, हमारे मनोरंजन के लिए साथ रहें।

लाभ –। एक सच्चे मित्र के अनेकों लाभ होते हैं, जिनको हम यदि सोचने लगे तो बहुत अधिक समय व्यतीत हो जाएगा। एक मित्र हमारा सुख – दुःख में कभी-भी साथ नहीं छोड़ता। वह हमें गलत कार्यों से निकालकर सही राह दिखाता है। वह हर समय हमारी रक्षा, हमारे मनोरंजन के लिए तैयार रहता है। यदि आपके जीवन में भी कोई ऐसा मित्र हो तो कृपया उसे कभी न खोना।

प्र०।। सेवा में,
अध्यक्ष महोदय,
नगरपालिका परिषद,
घुमारवीं।

दिनांक –। 12 दिसंबर 2020

विषय –। नगर की सफाई हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,
सादर निवेदन यह है कि मैं कपाहड़ा पंचायत का निवासी हूँ। इस पंचायत के अंतर्गत क्षेत्र में गंदगी मिलना सामान्य बात हो गई है। जगह-2 पर कूड़े के ढेर लगे रहते हैं। आवारा पशु इन ढेरों को बिखेर कर क्षेत्र की दृश्य को नुकसान पहुँचा रहे हैं। नालियों में अक्सर गंदा पानी भरा रहता है। यदि सफाई की समुचित

व्यवस्था नहीं की गई तो बहुत सी बीमारियों के फैलने की आशंका है।

अतः महोदय से अनुरोध है कि नगर की स्वास्थ्य अधिकारी को हमारी पंचायत की सफाई व्यवस्था सुचारू करने का निर्देश दें। सफाईकर्मी पूरे सप्ताह में एक दिन ही काम करते हैं, अतः ऐसा तभी हो पाता है जब उनके कार्य का निरीक्षण करने के लिए कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं आता है।

कृपया करके हमारी समस्याओं पर नज़र रखते हुए हमारी पंचायत के क्षेत्र की सफाई का प्रबंध किया जाए।

भवदीय

आदित्य तंजल

प्र०12 हमारी पाठशाला शिव शक्ति कॉन्वेंट स्कूल कसार में दिनांक 25/दिसंबर/2020 को वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया है। इस समारोह में बहुत-सी प्रतियोगिताएँ है जैसे- नृत्य प्रतियोगिता, नाटक प्रतियोगिता, इसके अलावा कई और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। जो भी विद्यार्थी इन प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहता हो वो कल सुबह पाठशाला शुरू होते ही नाम दर्ज करवा दें।

धन्यवाद।

प्र०13 एनआरकेवी प्लाजा, सेक्टर 14, नंबर 5 ई में किराए पर 2100 वर्ग फुट की व्यावसायिक स्थान के लिए उपलब्ध है।

केंद्र में स्थित, इस वाणिज्यिक स्थान का उपयोग कपड़ा की दुकान, मोबाइल की दुकान, छोटे कैफे या सामान्य दुकानों के लिए किया जा सकता है।

मालिक और ग्राहकों के लिए आरक्षित पार्किंग सुविधा, 24 घंटे पानी, बिजली और जनरेटर, लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा उपलब्ध है।

इसके अलावा जगह मैट्रो के पास स्थित है।

मासिक किराया -। 1.50 लाख

यदि रुचि है, तो निचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें -।

70184 - 53520

01978 - 22352

प्र05 यदि मैं समाचार पत्र होता -।

यदि मैं समाचार पत्र होता तो यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात होती। मैं सबको देश- विदेश की जानकारी देता। सभी लोगों के काम आ सकता। मेरे लिए बहुत अच्छी बात होती। मैं विचारों और संदेशों को दुनिया तक प्रकाशित करता। तरह -2 के विषयों की खबरों को मैं छापता।

मनोरंजन की खबरों ~~से~~ सबके मन मे खुशी लाता। देश - विदेश की जानकारी से मैं सबका ज्ञान बढ़ाता। बहुत ज्यादा सूचनाओं के जरिए मैं लोगों को उजागर करता। मैं समाचार बनकर सभी के घर में जाना चाहता हूँ। ताकि सभी मुझे पढ़कर ज्ञान प्राप्त करें। मेरे छाप दिए गए ज्ञान से कोई वंचित न रहे। मैं देश की सभी भाषाओं में छपना चाहता हूँ ताकि मुझे देश के कोने -2 के लोग पढ़ सकें। मैं अपना ज्ञान और जानकारी सब तक पहुँचा सकूँ। यदि मैं समाचार पत्र होता तो सभी के लिए समान नियम बनाता।

मैं देश- विदेश की घटनाओं का वर्णन करके सभी को किसी-भी संकट के आने से पहले सचेत कर सकूँ।

" पढ़ने की हो यदि चाहत,
अखबार उठाये देगा यह राहत।"

CBSE Aff. No.: 630242

SHIV SHAKTI CONVENT SCHOOL

Vill. Kasaroo, Distt. Bilaspur (H.P.)

Roll No. 102 Class 10th Subject Hindi Dated 12/12/2020 Marks ....

भाग (क)

प्र०1

(i) (ख) => अवैध वस्तुओं को चोरी-छिपे बेचना।
(ii) ग => व्यपारी।
(iii) ग => घरेलू बजट का बिगड़ना।
(iv) ग => अधिक से अधिक मुनाफा कमाना।
(v) (घ) => काला बाजार से कुछ भी ना खरीदने का संकल्प करके।

प्र०2 (i) => (ख)
(ii) => (ग)
(iii) => (ग)
(iv) => (क)
(v) => (ख)।

भाग (ख)

प्र०3 (1) => (3)
(2) => (3)
(3) => ~~(?)~~ (2)
(4) => (3)

5. 3
6. 2
7. 3
8. 4
9. 1
10. 3
11. 1
12. 4
13. 4
14. 1
15. 1
16. 3

Y04 (I) => (I)
(II) => (II)
(III) => (II)
(IV) => (I)

Y05 (I) => (2)
(II) => (3)
(III) => (3)

(IV) =>
(V) =>

Y06 (I)
(II)
(III)

IV => 3

V => 1

Y06

I - 4

II - 2

III - 3

IV - 1

V - 1